पाठ 1: चिड़िया का गीत

बातचीत के लिए (Page 3)

1. पशु-पशुओं के लिए घर आवश्यक है या नहीं? कारण भी बताइए।

उत्तर:

हाँ, पशु-पशुओं के लिए घर आवश्यक है क्योंकि घर उन्हें बारिश, धूप, ठंड और हवा से बचाता है।

2. आपके परिवार के सदस्य घर से बाहर क्यों जाते हैं।

उत्तर:

मेरे परिवार के सदस्य घर से बाहर काम करने, स्कूल जाने, बाज़ार से सामान लाने और ज़रूरी काम करने के लिए जाते हैं।

3. जब परिवार के सदस्य बाहर जाते हैं या बाहर से आते हैं तो आपको कैसा लगता है और क्यों?

उत्तर:

जब परिवार के सदस्य बाहर जाते हैं, तो मुझे उनकी चिंता होती है और उनका इंतजार रहता है। जब वे वापस आते हैं, तो खुशी और राहत महसूस होती है क्योंकि वे सुरक्षित लौट आते हैं।

4. जब कोई अतिथि हमारे घर आता है या आप किसी संबंधी के यहाँ जाते हैं, तो आपको कैसा लगता है?

उत्तर:

जब कोई अतिथि हमारे घर आता है या हम किसी संबंधी के यहाँ जाते हैं, तो मुझे बहुत अच्छा लगता है। नए लोगों और रिश्तेदारों से मिलना, बातें करना और साथ में समय बिताना एक बहुत अच्छा अनुभव होता है।

5. क्या आपको लगता है कि पक्षियों की तरह हम भी धीरे-धीरे बड़े होते हैं और फिर उनकी तरह ही संसार देखते हैं? अपने अनुभव साझा कीजिए।

उत्तर:

हाँ, हम भी पक्षियों की तरह धीरे-धीरे बड़े होते हैं और फिर उनकी तरह ही संसार को देखना और समझना सीखते हैं। बचपन में मैं बहुत-सी चीज़ें नहीं समझता था, लेकिन अब मैं सीख रहा हूँ और अपने अनुभवों से दुनिया को बेहतर ढंग से देख पा रहा हूँ।

कविता के लिए (Page 4)

1. नीचे दिए गए प्रश्नों में चार विकल्प दिए गए हैं। प्रश्नों के उत्तर में एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं -

क. घोंसले से संबंधित उपयुक्त वाक्य को चिन्हित कीजिए –

• घोंसला पक्षियों का घर होता है।

• घोंसला सूखे तिनकों से बनाया जाता है।

• पक्षियों का घोंसला केवल पेड़ों पर होता है।

• कुछ पक्षियों का घोंसला हमारे घरों में भी होता है।

उत्तर:

घोंसला पक्षियों का घर होता है।

घोंसला सूखे तिनकों से बनाया जाता है।

कुछ पक्षियों का घोंसला हमारे घरों में भी होता है।

ख. कविता में 'अंडे जैसा था आकार' का प्रयोग निम्नलिखित में से किसके लिए किया गया है –

• संसार

• आकाश

• घर

• घोंसला

उत्तर:

घर

ग. 'तब मैं यही समझती थी — बस इतना-सा ही है संसार।'

इन पंक्तियों में 'इतना-सा' का अर्थ क्या है?

• बहुत छोटा

• बहुत लंबा

• बहुत बड़ा

• रंग-बिरंगा

उत्तर:

बहुत छोटा

2. नीचे दी गई कविता की पंक्तियों का मिलान उनके नीचे दी गई उपयुक्त पंक्तियों से कीजिए –

उत्तर:

• फिर घर बना घोंसला सूखे तिनकों से तैयार → तब मैं यही समझती थी बस इतना-सा ही है संसार।

• आखिर जब मैं आसमान में उड़ी दूर तक पंख पसार → तभी समझ में मेरी आया बहुत बड़ा है यह संसार।

• फिर मैं निकल गई शाखों पर हरी-भरी थीं जो सुकुमार → तब मैं यही समझती थी बस इतना-सा ही है संसार।

• सबसे पहले मेरे घर का अंडे जैसा था आकार → तब मैं यही समझती थी बस इतना-सा ही है संसार।

सोचिए और लिखिए (Page 5)

1. चिड़िया को यह संसार कब-कब छोटा लगा?

उत्तर:

जब चिड़िया अंडे में थी, घोंसले में रही और शाखाओं पर बैठी, तब उसे यह संसार छोटा लगा।।

2. खुले आकाश में उड़ते समय चिड़िया ने क्या-क्या देखा होगा जिससे उसे लगा कि संसार बहुत बड़ा है?

उत्तर:

खुले आकाश में उड़ते समय चिड़िया ने पहाड़, समुद्र, जंगल, खेत और बड़े-बड़े मैदान देखे होंगे, जिससे उसे लगा कि संसार बहुत बड़ा है।

3. प्रायः सुबह-शाम पक्षियों की चहचहाट (कलरव) सुनाई देती है। ऐसा क्यों होता है?

उत्तर:
यह इसलिए होता है क्योंकि पक्षी सुबह अन्न की तलाश में अपने घोंसले से बाहर जाते हैं और शाम को वापस लौट आते हैं।

समझ और अनुभव (Page 6)

1. जब कोई चिड़ीया घोंसले से बाहर आती है तो उसे लगता है कि संसार बहुत बड़ा है। क्या आपको भी घर से बाहर निकलते समय ऐसा ही अनुभव होता है और क्यों?
उत्तर:
हाँ, मुझे भी कभी-कभी ऐसे एहसास होता है क्यूंकि घर में हमारे अनुभव सीमित रहते हैं, लेकिन बाहर निकलते ही नए-नए दृश्य और लोग देखने को मिलती हैं। यह सब हमें अहसास कराता है कि दुनिया बहुत बड़ी है।

2. एक पक्षी की तरह आप भी धीरे-धीरे बड़े हो रहे हैं। अब तक आपमें भी कई परिवर्तन आए हैं। नीचे दिए गए शीर्षकों के अनुसार अपने अभी तक आए परिवर्तनों को लिखिए –

• शारीरिक परिवर्तन	• रुचियों में परिवर्तन	• समझ में परिवर्तन
• खान-पान में परिवर्तन	• चित्रकारी	• खेल
• गीत-संगीत	• पढ़ना-लिखना	• नृत्य और अभिनय

इनके अलावा यदि आपको किसी अन्य परिवर्तन की अनुभूति होती है, तो उसे भी किसी किसी में साझा कीजिए।
उत्तर:
1. शारीरिक परिवर्तन: अब लंबाई धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है।

2. खान-पान में परिवर्तन: अब मैं मसालेदार और तीखा भोजन भी खा लेता हूँ।

3. गीत-संगीत: अब मैं गीतों को अच्छे से समझता हूँ और उन्हें याद भी रख लेता हूँ।

4. रुचियों में परिवर्तन: अब मुझे चीज़ों को समझना और खुद करना अच्छा लगता है।

5. पढ़ना-लिखना: लिखावट साफ हो गई और पढ़ने-समझने की क्षमता भी बढ़ी है।

6. चित्रकारी: अब मैं पहले से बेहतर चित्र बना सकता हूँ।

7. समझ में परिवर्तन: भावनाओं, रिश्तों को बेहतर समझने लगा हूँ।

8. खेल: अब क्रिकेट खेलना सीख गया हूँ।

9. नृत्य और अभिनय: अब स्टेज पर आत्मविश्वास से प्रदर्शन करता हूँ।

3. पहले चिड़िया को लगता था कि यह संसार बहुत छोटा है, लेकिन सचाई कुछ और ही थी। उस समय आपको कैसा लगा जब आपने इनमें से किसी एक को पहली बार देखा -

- मिट्टी
- समुद्र
- विमान
- जंगल
- खेत
- रेलगाड़ी
- मॉल
- पहाड़
- जलयान
- चार या छह वीथियों वाली सड़कें
- रेहगस्तान या मरुस्तल
- नदी

इनके अलावा, आपके कुछ और अनुभव हो सकते हैं, उन्हें भी कृपया साझा करें।

उत्तर:

स्वंय कीजिए।

चित्रों की भाषा (Page 7)

1. नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए। चित्र से मेल खाती कविता की कुछ पंक्तियाँ उदाहरण के रूप में दी गई हैं। अब कविता की उपयुक्त पंक्तियों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

उत्तर:
सबसे पहले मेरे घर का
अंडे जैसा था आकार,
तब मैं यही समझती थी
बस इतना-सा ही है संसार।

अनुमान और कल्पना (Page 7)

1. कविता की पंक्ति है – 'आखिर जब मैं आसमान में उड़ी दूर तक पंख पसार।' चिड़िया ने अंततः इतनी दूर तक उड़ान क्यों भरी होगी?
उत्तर:
क्योंकि अब चिड़िया बड़ी हो गई थी और उसके मन में अलग-अलग जगहों और चीज़ों को देखने की उत्सुकता थी।

2. पक्षी खुले आकाश में बहुत दूर तक उड़ते हैं। लंबी दूरी, हजारों पेड़ों और सैकड़ों घोंसलों के बीच पक्षी अपना घोंसला कैसे ढूँढ़ते होंगे?
उत्तर:
पक्षी रास्ते में आने वाले खास पेड़ों, चट्टानों, नदियों या अन्य प्राकृतिक चिन्हों को पहचान कर रास्ता याद रखते हैं।

3. पक्षियों ने आकाश में उड़कर जाना कि संसार बहुत बड़ा है। हमारे पूर्वजों को यह बात कैसे पता चली होगी?
उत्तर:
हमारे पूर्वजों को यह बात अपनी यात्राओं के अनुभवों से पता चली होंगी।

4. जब आप कहीं बाहर जाते हैं तो घर के बड़े-बूढ़े आपको कुछ निर्देश देकर भेजते हैं। क्या पक्षियों के माता-पिता भी उन्हें उड़ने से पहले कुछ निर्देश देते होंगे? यदि हाँ, तो वे निर्देश क्या-क्या हो सकती हैं?
उत्तर:
हाँ, पक्षियों के माता-पिता भी उन्हें उड़ने से पहले कुछ निर्देश देते होंगे, जैसे – झुंड के साथ रहना, हमेशा संतुलन बनाए रखना, रात होने से पहले घर लौट आना, और शिकारियों से बचकर रहना आदि।

आकार-प्रकार (Page 9)

1. कविता में 'अंडे जैसा था आकार' का उल्लेख है। नीचे कुछ और चित्र दिए गए हैं जो अलग-अलग आकृतियों के हैं। चित्रों के नीचे उनके नाम लिखिए। इस कार्य में आप अपने सहायक की सहायता भी ले सकते हैं।

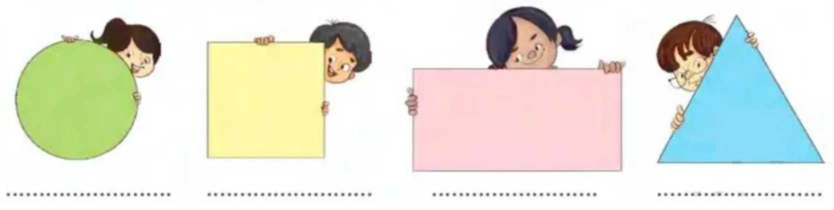

उत्तर:

(i) वृत्त

(ii) त्रिकोण

(iii) वर्ग

(iv) आयत

भाषा की बात (Page 9)

1. 'फिर मैं निकल गई शाखों पर, हरी-भरी थीं जो सकुमार', कविता की इस पंक्ति में 'सकुमार' शब्द आया है। यह 'सु' और 'कुमार' के मेल से बना है, जिसका अर्थ है — कोमल या कोमल अंगों वाला। आप भी इसी प्रकार कुछ नए शब्द बनाइए और उनके अर्थ लिखिए।

सु	कुमार	सुकुमार	कोमल अंगों वाला
सु	योग्य	....	....
सु	यश	....	....
सु	....	सुकर्म	अच्छे कर्म
सु	वास	....	....
सु	....	सुदर्शन	....

उत्तर:

सु	कुमार	सुकुमार	कोमल अंगों वाला
सु	योगय	सुयोग्य	जिसकी योग्यता उत्तम हो
सु	यश	सुयश	अच्छी प्रसिद्धि
सु	कर्म	सुकर्म	पुण्य के काम
सु	वास	सुवास	अच्छी खुशबू
सु	दर्शन	सुदर्शन	आकर्षक रूप वाला

2. नीचे दिए गए वाक्यों में कुछ रिक्त स्थान हैं और कुछ शब्द विकल्प दिए गए हैं। उन शब्दों से वाक्यों को पूरा कीजिए, जो विकल्प में दिए गए शब्दों के विपरीत अर्थ रखते हैं -

(क) सूखा और .... को अलग-अलग डिब्बों में डालें।

(ख) दिल्ली मेरे घर से .... है, लेकिन गुवाहाटी पास में है।

(ग) अनवर कब .... और कब गया, पता ही नहीं चला।

(घ) कोई भी काम न तो बडा होता है और न ही ....।

उत्तर:

(क) गीला

(ख) दूर

(ग) आया

(घ) छोटा

3. आइए, अब एक रोचक कहानी पढ़ते हैं –

'इतना-सा', 'उतना-सा', 'जितना-सा' और 'कितना-सा' का वाक्यों में प्रयोग कीजिए और उनके अर्थ भी समझाइए। फिर आपको राजू जितने रुपये मिल जाएँगे।

अब नीचे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाकर सलमा की सहायता कीजिए -

इतना-सा

उतना-सा

जितना-सा

कितना-सा

उत्तर:

1. इतना-सा: बस इतना-सा काम करने के बाद ही तुम थक गए।
2. उतना-सा: उतना-सा ही बोलो जितना तुमसे कहा जाये।
3. जितना-सा: जितना-सा तुम खा सकते हो, उतना ही लो।
4. कितना-सा: तुमने कितना-सा पानी पिया?

पाठ से आगे (Page 11)

1. पक्षी भोजन की खोज में घोंसले से बाहर उड़ते हैं। यह जानना रोचक होगा कि कौन-सा पक्षी क्या खाता है। नीचे कुछ पक्षियों के नाम दिए गए हैं। पता कीजिए कि वे क्या खाते हैं -

पक्षियों के नाम	पक्षियों का भोजन
बाज	....
हंस	....
तोता	....
बगुला	....
कबूतर	....
उल्लू	....

उत्तर:

पक्षियों के नाम	पक्षियों का भोजन
बाज	चूहे, सांप, छोटे पक्षी
हंस	मछलियाँ, जलकुंभी
तोता	फल, बीज, मेवे
भगुला	मछली, मेंढ़क
कबूतर	अनाज
उल्लू	चूहे, छोटे पक्षी

आनंदमयी गलतलवलि (Page 13)

1. नीचे दिए गए अक्षर जाल में पक्षियों के नाम खोजिए और उनके बारे में जानकारी एकत्र कीजिए।

नी	ल	कं	ठ	ती
मै	ब	त	ख	त
ना	क	बू	त	र
ची	ल	गौ	रै	या
बु	ल	बु	ल	बा
सा	र	स	बा	ज

उत्तर:

नी	ल	कं	ठ	ती
मै	ब	त	ख	त
ना	क	बू	त	र
ची	ल	गौ	रै	या
बु	ल	बु	ल	बा
सा	र	स	बा	ज

तीतर, नीलकंठ, बतख, कबूतर, मैना, चील, बुलबुल, बाज, सारस, गौरैया ।

3. नीचे पशु पक्षियों से संबंधित कुछ पहेलियाँ दी गयी हैं । पहेलियों का उपयुक्त चित्रों से मिलान कीजिए –

पंखों में नाखून हूँ रखता,
रात अँधेरे में ही उड़ता।
दिन में न मैं भोजन पाऊँ,
उल्टा होकर के सो जाऊँ।

पत्तों जैसा उसका रंग,
कुतर-कुतर खाने का ढंग।
घरों में भी पाला जाता,
नाम बताओ उसका ज्ञाता।

नीड़ नहीं वह कभी बनाती,
बागों की रानी कहलाती।
काला रंग है उसका भैया,
सबके दिल को खूब लुभाती।

दिनभर सूरत नहीं दिखाता,
रात कुलाँचे भरता।
और समझता ऐसा जैसे,
सूरज उससे डरता।

उत्तर:

बोलिए फटाफट (Page 15)

नीचे कुछ रोचक और चुनौतीपूर्ण पहेलियाँ दी गई हैं। शीघ्रता से उनके उत्तर दीजिए —

1. परिवार हरा, हम भी हरे,
एक थैली में तीन-चार भरे।

2. एक लाठी की अजब कहानी,
उसके भीतर मीठा पानी।

3. एक पक्षी ऐसा, जिसकी दुम पर पैसा।

4. लाल डिबिया, पीले खाने,
भीतर रखे मोती के दाने।

5. जाती हूँ मैं हर जगह,
पर हिलती नहीं किसी भी तरह।

उत्तर:

1. मटर
2. गन्ना
3. मोर
4. अनार
5. सड़क